UNIVERSITY NEWS 01 JANUARY 2026

AMAR UJALA

60% से कम अंक वाले नौकरी की दौड़ से बाहर

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। स्नातक में 60 प्रतिशत से कम अंक वाले विद्यार्थी बहुराष्ट्रीय कंपनी जेनपैक्ट में नौकरी की दौड़ से बाहर हो गए हैं। 60 या इससे अधिक प्रतिशत अंक वाले ही नौकरी के लिए आवेदन कर सकेंगे। चयनितों को प्रति माह 21 हजार रुपये वेतन व इसेंटिव मिलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय कैंपस प्लेसमेंट सेल ने विवि व संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों से आवेदन मांगे हैं। कंपनी 200 पदों पर स्नातक के विद्यार्थियों की भर्ती करेगी। चयनितों को इंसेंटिव भी मिलेगा।

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि कस्टमर सर्विस (वॉइस प्रोसेस-इंग्लिश) पद के लिए बीबीए, बीसीए, बीकॉम, बीएससी व बीए (पोस्ट ग्रेजुएट व लॉ को छोड़कर) के सभी विद्यार्थी चार जनवरी सुबह 11 बजे तक https://forms.gle/FpFusophCaSvufwDA पर आवेदन कर सकते हैं।

लविवि संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए जेनपैक्ट कंपनी में काम करने का मौका

"उम्मीदवारों का चयन कम्युनिकेशन असेसमेंट टेस्ट के बाद दो चरणों के इंटरव्यू से किया जाएगा। कंपनी एआई से जुड़ी है, जिसका अब जमाना है। विद्यार्थियों के लिए भी अच्छा अवसर है।
– प्रो. अनूप कुमार, निदेशक कैंपस प्लेसमेंट सेल

चयनितों का कार्यस्थल गुरुग्राम रहेगा। सप्ताह में पांच दिन ही काम करना होगा। अभ्यर्थियों में उत्कृष्ट अंग्रेजी संवाद कौशल, विश्लेषणात्मक क्षमता और अलग-अलग शिफ्ट में काम करने की योग्यता अपेक्षित है। कार्य प्रणाली रोटेशनल शिफ्ट में होगी। जेनपैक्ट वैश्विक प्रोफेशनल सर्विसेज एवं सॉल्यूशंस कंपनी है। यह डाटा, टेक्नोलॉजी व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है।

पर्यावरण संरक्षण से विकसित भारत संभव

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण वैदिक काल से भारतीय जीवनशैली का हिस्सा रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो. रोली मिश्रा और शोधार्थी सीमा यादव की ओर से अध्ययन में कहा गया कि सरकार की पहल-लाइफ दरअसल वैदिक मूल्यों पर आधारित है। उनके इस अध्ययन को योजना पत्रिका ने प्रकाशित किया है। प्रो. रोली ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से विकसित भारत संभव है। हमारे ग्रंथों में जरूरत भर उपभोग, संयम और प्रकृति के सम्मान पर जोर दिया गया है। भारत सरकार का मिशन- लाइफ तीन स्तरों पर काम करता है। यह आम लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना, उद्योगों को टिकाऊ उत्पादन के लिए प्रेरित करना और नीतियों में जिम्मेदार उपभोग को प्राथमिकता देना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल को जयंती पर किया याद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी व आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में बुधवार को उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल की 100वीं जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने हिंदी विभाग स्थित साहित्य वाटिका में श्रीलाल शुक्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

उन्होंने कहा कि श्रीलाल शुक्ल अपने व्यंग्य और सामाजिक-राजनीतिक चेतना के कारण सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनके साहित्य पर गंभीर शोध की आवश्यकता है। प्रो. वाईपी सिंह ने रागदरबारी को स्वतंत्रता के बाद उत्तर भारत के ग्रामीण जीवन का सशक्त दर्पण बताया। डॉ. रविकांत और डॉ. ममता तिवारी ने उनके लेखन को सामाजिक दर्शन और गांव के जीवन को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। (माई सिटी रिपोर्टर)

VOICE OF LUCKNOW

चिरकाल तक स्मरणीय रहेंगे कथाकार श्रीलाल शुक्ल : प्रो.मनुका खन्ना

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में प्रसिद्ध उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल की 100वीं जयंती का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कलपति प्रो. मनुका खन्ना ने हिंदी विभाग स्थित साहित्य वाटिका में श्रीलाल शुक्ल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। प्रो.मनुका खन्ना ने श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों में निहित सामाजिक- राजनीतिक चेतना पर शोध किए जाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीलाल शुक्ल को श्रेष्ठ व्यंग्यकार के रूप में चिरकाल तक स्मरण किया जाएगा। 31दिसंबर 1925 को लखनऊ के अतरौली गांव में श्रीलाल शुक्ल का जन्म हुआ था। 1947 में इलाहाबाद से स्नातक करने के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा में लंबे समय तक कार्य करते हुए ब्रिटेन, जर्मनी, पोलैंड, सूरीनाम, चीन, यूगोस्लाविया आदि की यात्राएं करके भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपने वक्तव्य में विभागाध्य ने उनकी रचनात्मकता पर प्रकाश डाला।

फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र मौर्य आउटडोर ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ घोषित

लखनऊ। एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य को ग्राउंड इंस्ट्रक्टर्स स्कूल, एयर फोर्स स्टेशन, तांबरम, चेन्नई में

आयोजित दो महीने के कठिन ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान आउटडोर ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है। वर्तमान में, वह यूनिवर्सिटी में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर (एएनओ) के रूप में एयर विंग एनसीसी यूनिट की देखरेख कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण 27 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक आयोजित किया गया था और इसमें गहन आउटडोर शारीरिक प्रशिक्षण और नेतृत्व, अनुशासन, सहनशक्ति और निर्देशात्मक क्षमता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए मॉड्यूल शामिल थे।

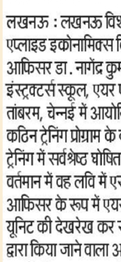

DAINIK JAGRAN

डा. नागेंद्र मौर्य आउटडोर ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड इकोनामिक्स विभाग के फ्लाइंग आफिसर डा. नागेंद्र कुमार मौर्य को ग्राउंड इंस्ट्रक्टर्स स्कूल, एयर फोर्स स्टेशन, तांबरम, चेन्नई में आयोजित दो महीने के कठिन ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान आउटडोर ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है। वर्तमान में वह लवि में एसोसिएट एनसीसी आफिसर के रूप में एयर विंग एनसीसी यूनिट की देखरेख कर रहे हैं। यह एएनओ द्वारा किया जाने वाला अनिवार्य प्रशिक्षण था, जिसे 27 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक आयोजित किया गया। (वि.)

डा. नागेंद्र कुमार मौर्य

AMRIT VICHAR

फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य(

फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य आउटडोर ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य को ग्राउंड इंस्ट्रक्टर्स स्कूल तांबरम में आयोजित ट्रेनिंग के दौरान आउटडोर ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है। वर्तमान में वह यूनिवर्सिटी में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर के रूप में एयर विंग एनसीसी यूनिट की देखरेख कर रहे हैं। यह एएनओ द्वारा किया जाने वाला अनिवार्य प्रशिक्षण था। यह प्रशिक्षण 27 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक आयोजित किया गया था।

कुलपति व अन्य शिक्षक श्रीलाल शुक्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते।

स्मरणीय रहेंगें कथाकार श्रीलाल शुक्ल

अमृत विचार , लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी व आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में प्रसिद्ध उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल की 100वीं जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने हिंदी विभाग स्थित साहित्य वाटिका में श्रीलाल शुक्ल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि श्रीलाल शुक्ल को श्रेष्ठ व्यंग्यकार के रूप में चिरकाल तक स्मरण किया जाएगा। 31 दिसंबर 1925 को लखनऊ के अतरौली गांव में श्रीलाल शुक्ल का जन्म हुआ था। 1947 में इलाहाबाद से स्नातक करने के उपरांत भारतीय प्रशासनिक सेवा में लंबे समय तक कार्य करते हुए ब्रिटेन, जर्मनी, पोलैंड, सूरीनाम, चीन, यूगोस्लाविया आदि की यात्राएं करके भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपने वक्तव्य में विभागाध्य ने उनकी रचनात्मकता पर प्रकाश डाला।

वैदिक मार्ग ही पर्यावरण रक्षा का मूलमंत्र

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की शिक्षिका प्रो. रोली मिश्रा और शोधार्थी सीमा यादव ने पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान वैदिक मार्ग में सुझाया है। उन्होंने वैदिक दर्शन से जोड़ते हुए एक नई दृष्टि प्रस्तुत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि से प्रेरित मिशन लाइफ तीन चरणों में कार्य करता है। जिसमें पहला, नागरिकों को पर्यावरण सचेत जीवनशैली अपनाने को प्रेरित करना, दूसरा उद्योगों को टिकाऊ उत्पादन की ओर अग्रसर करना और तीसरा नीति निर्माण में जिम्मेदार उपभोग को केंद्रीय स्थान देना।

प्रो. रोली मिश्रा

DAINIK JAGRAN

'चिरकाल तक स्मरणीय रहेंगे कथाकार'

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में बुधवार को प्रसिद्ध उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल की 100वीं जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने हिंदी विभाग स्थित साहित्य वाटिका में श्रीलाल शुक्ल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

उन्होंने श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों में निहित सामाजिक-राजनीतिक चेतना पर शोध किए जाने का संदेश देते हुए कहा कि श्रीलाल शुक्ल को श्रेष्ठ व्यंग्यकार के रूप में चिरकाल तक स्मरण किया जाएगा। 31 दिसंबर 1925 को लखनऊ के अतरौली गांव में श्रीलाल शुक्ल का जन्म हुआ था। 1947 में इलाहाबाद से स्नातक करने के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा में लंबे समय तक कार्य करते हुए ब्रिटेन, जर्मनी, पोलैंड, सूरीनाम, चीन, यूगोस्लाविया आदि की यात्राएं करके उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। विभागाध्यक्ष प्रो.पवन अग्रवाल ने उनकी रचनात्मकता पर प्रकाश डाला। प्रो. वाई.पी. सिंह ने 'रागदरबारी' को स्वाधीनता के बाद उत्तर भारत की ग्रामीण दशा का दर्पण बताया।

डा. रविकांत ने श्रीलाल शुक्ल के लेखन में सामाजिक दर्शन के पड़ताल किए जाने पर जोर दिया। डा. ममता तिवारी ने कहा कि 20वीं सदी के उत्तर भारत के ग्राम जीवन को समझने में श्रीलाल शुक्ल का लेखन एक सशक्त माध्यम है। विभाग के शिक्षक डा. अनुपम पटेल, डा. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, एपी सेन गर्ल्स पीजी कालेज की प्रो.माधुरी यादव, जेएनपीजी कालेज से डा. देविका शुक्ला, डा. जान्हवी अवस्थी, डा. ब्रजेश कुमार तिवारी, दयानंद पीजी कालेज, रायबरेली से डा. जितेन्द्र मिश्र सहित हिंदी के शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में उपान्यासकार श्री लाल शुक्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं कुलपति प्रो .मनुका खन्ना, विभागाध्यक्ष प्रो .पवन अग्रवाल व अन्य शिक्षक • सौ लवि

HINDUSTAN

डॉ. नागेंद्र आउटडोर ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य को चेन्नई के तांबरम स्थित ग्राउंड इंस्ट्रक्टर्स स्कूल एयर फोर्स स्टेशन में आयोजित दो महीने के कठिन ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान आउटडोर ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है। वह यूनिवर्सिटी में एसोसिएट एनसीसी अफसर के तौर पर एयर विंग एनसीसी यूनिट की देखरेख कर रहे हैं।

स्मरणीय रहेंगे श्रीलाल शुक्ल : कुलपति

लखनऊ। एलयू के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में प्रसिद्ध उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल की 100वीं जयंती का आयोजन हुआ। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि श्रीलाल शुक्ल को श्रेष्ठ व्यंग्यकार के रूप में चिरकाल तक स्मरण किया जाएगा। डॉ. अनुपम पटेल, डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर माधुरी यादव, डॉ. देविका शुक्ला, डॉ. जान्हवी अवस्थी ने भाग किया।

छात्रों के पास जेनपैक्ट में कैंपस प्लेसमेंट का मौका

लखनऊ। एलयू के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से कंपनी जेनपैक्ट में कैंपस प्लेसमेंट के लिए स्नातक विद्यार्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। सीपीसी के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि कस्टमर सर्विस वॉइस प्रोसेस इंग्लिश पद के लिए बीबीए, बीसीए, बीकॉम, बीएससी और बीए के छात्र पात्र हैं, जिनका न्यूनतम 60 प्रतिशत है। 21,000 प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा।

TIMES OF INDIA

LU marks 100th birth anniv of Shrilal Shukla

Times News Network

Lucknow: The department of Hindi and modern Indian languages at Lucknow University (LU) commemorated the 100th birth anniversary of renowned novelist and satirist Shrilal Shukla on Wednesday.

The event paid tributes to the literary giant whose works continue to shape the understanding of rural India and socio-political realities.

Vice chancellor Prof Manuka Khanna said, "Shrilal Shukla's writings are deeply rooted in socio-political awareness and use satire as a powerful tool to reveal enduring realities of society. His literary vision continues to remain relevant across generations."

Born on Dec 31, 1925 in Atarouli village near Lucknow, Shukla served in the Indian Administrative Service and represented India internationally. Scholars described Raag Darbari as a mirror of post independence rural North India, reaffirming his enduring literary legacy.

DAINIK JAGRAN

कई कोर्सों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

जासं • लखनऊ : लवि ने कई पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी है। एम.ए/एम.एससी सांख्यिकी प्रथम सेमेस्टर, एग्जेम्प्टेड, बैक पेपर व इम्प्रूवमेंट की परीक्षाएं की परीक्षाएं 12 से 21 जनवरी, एम.ए एंड एम.एससी बायोस्टैटिस्टिक्स प्रथम सेमेस्टर और बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट व एग्जेम्प्टेड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 से 19 जनवरी तक संचालित की जाएंगी। एम.ए संस्कृत प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 से 21 जनवरी, एमबीए टीटीएम प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं 13 से 24 जनवरी, बीबीए टूरिज्म एंड हास्पिटैलिटी की परीक्षाएं 12 जनवरी से होंगी।

लवि : नए वर्ष पर कंपनियों में प्लेसमेंट के अवसर, करें आवेदन

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय नए वर्ष पर छात्र-छात्राओं के लिए कई प्रमुख कंपनियों में प्लेसमेंट के अवसर लेकर आया है। खास बात ये है कि कुछ कंपनियों में नौकरी के लिए संबद्ध कालेजों के छात्र-छात्राएं भी आवेदन के लिए पात्र होंगे। बुधवार को विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने आवेदन और चयन संबंधी विस्तृत जानकारी साझा की।

जेनपेक्ट कंपनी : लवि के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने बहुराष्ट्रीय जेनपैक्ट कंपनी में कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत वर्ष 2026 पासआउट बैच के स्नातक विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि कस्टमर सर्विस (वाइस प्रोसेस-इंग्लिश) पद के लिए बीबीए, बीसीए, बी.काम,

बी.एससी एवं बीए के वे छात्र पात्र हैं, जिनका शैक्षणिक रिकार्ड न्यूनतम 60 प्रतिशत है। चयनित अभ्यर्थियों को 21,000 प्रतिमाह वेतन के साथ इंसेंटिव भी मिलेगा। इस पद के लिए कार्यस्थल गुरुग्राम प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थियों में उत्कृष्ट अंग्रेजी संवाद कौशल और फ्लेक्सिबल शिफ्ट में कार्य करने की योग्यता अपेक्षित है। कार्य प्रणाली रोटेशनल शिफ्ट में सप्ताह में पांच दिन कार्यालय से (वर्क फ्राम आफिस) होगी। प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि चयन कम्युनिकेशन असेसमेंट टेस्ट के बाद दो चरणों के इंटरव्यू से होगा। विद्यार्थी दिए गए लिंक https://forms.gle/FpFusophCaSvufwDA के माध्यम से चार जनवरी को सुबह 11 बजे तक आनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

टीसीएस : टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की ओर से टीसीएस बी.एससी इग्नाइट एवं स्मार्ट हायरिंग प्रोग्राम के अंतर्गत बीसीए, बी.एससी (कंप्यूटर साइंस, गणित, सांख्यिकी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रानिक्स, बायोकेमिस्ट्री) तथा बी.वोक (सीएस/आइटी) पाठ्यक्रमों के 2025 एवं 2026 बैच के विद्यार्थियों से ग्रेजुएट ट्रेनी पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। लिंक https://on.tcs.com/4o183Mk और https://forms.gle/ejDeofoTxM5sLfjt9 से 11 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। स्नातक स्तर पर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक (या समकक्ष सीजीपीए) होना अनिवार्य है।

एनपीसीएल : नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) में मैनेजमेंट ट्रेनी (कोर इलेक्ट्रिकल) पद के लिए बी.टेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के 2026 बैच के विद्यार्थियों की आनलाइन लिखित परीक्षा छह जनवरी को होगी। इसमें चयनित होने के बाद 14 जनवरी को पर्सनल फेस-टू-फेस इंटरव्यू में शामिल होना होगा। चयनित अभ्यर्थियों को सात लाख वार्षिक (सीटीसी) का पैकेज मिलेगा।

नेशनल कालेज में 11 तक मौका

प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कई कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव करेंगी, जिसमें आइसीआइसीआइ बैंक, एचसीएल टेक, कोका कोला, टेक महिंद्रा, वी बियांड आदि साक्षात्कार के लिए आएंगी। सालाना तीन लाख से पांच लाख रुपये तक पैकेज मिलेगा। प्लेसमेंट के लिए कालेज के बी.ए, बीबीए, बीसीए, बी.काम, एम.काम, बी.काम आनर्स, बी.एससी और बीवाक सभी अंतिम वर्ष के विद्यार्थी 11 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। आइसीआइसीआइ बैंक के लिए https://forms.gle/eUq9nnKXsqcL2KPS6, एचसीएल टेक में लिंक https://forms.gle/2wwJE7xrZ7n5NmqEA, कोका कोला https://forms.gle/56XxSeTTFhHbsMcW6 व वी बियांड में https://forms.gle/PgQPNFpBoosfbVbD7 के माध्यम से आवेदन करना होगा।